नवभारत

भोपाल, शुक्रवार, 10 जुलाई 2026

पति पर गला घोंटकर हत्या के प्रयास का आरोप

बेटी ने बीच-बचाव कर मां की जान बचाई

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 9 जुलाई. जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है.एक महिला ने अपने पति नाथूराम कुशवाहा पर रस्सी से गला घोंटकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है. पीड़िता गले पर चोट के निशान हैं. वह अपने तीनों बच्चों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची तथा सख्त कार्रवाई की मांग की.

पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज किया

पीड़िता ने बताया कि पति अक्सर उसके साथ मारपीट करता है. इस बार उसने रस्सी से गला घोंटने की कोशिश की, लेकिन शोर सुनकर पहुंची बेटी ने बीच-बचाव कर उसकी जान बचा ली. महिला का आरोप है कि पति के साथ-साथ सास और ससुर भी उसे प्रताड़ित करते हैं और घर से निकालना चाहते हैं. पीड़िता की बेटी चंद कुशवाहा ने बताया कि उसकी मां मातगुवां में फल और सब्जी की दुकान लगाकर परिवार का पालन-पोषण करती हैं.घटना वाले दिन दुकान से घर लौटते ही पिता ने मां पर हमला कर दिया.फिलहाल महिला अपने बच्चों के साथ छतरपुर स्थित मायके में रह रही है और ससुराल लौटने से इनकार कर रही है.महिला का आरोप है कि मातगुवां थाने में पहले उसकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं

हुई, जिसके बाद वह एसपी कार्यालय पहुंची.हालांकि, पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है.

जमीन विवाद में किसान परिवार पर हमला

बम्होरी चौकी क्षेत्र के ग्राम देवपुर में जमीनी विवाद को लेकर किसान परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है.घटना में घायल किसान राजेश राय का सागर जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है.पीड़ित का आरोप है कि पड़ोसी परिवार कम कीमत पर जमीन बेचने का दबाव बना रहा था और इंकार करने पर हमला कर दिया. राजेश राय के मुताबिक बलदेव साहू, धर्म साहू, रघुवीर साहू, कन्हैया साहू, श्रीराम साहू सहित चार महिलाओं ने लाठी-डंडों से उन पर, उनकी पत्नी राजकुमारी और बेटे सत्यम के साथ मारपीट की.उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के दौरान डायल-112 पर सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची.साथ ही वीडियो बना रहे उनका मोबाइल भी तोड़ दिया गया. पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद वह तीन दिनों तक बम्होरी चौकी के चक्कर लगाते रहे, लेकिन उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई.बाद में बक्सवाहा थाने पहुंचने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया.फिलहाल घायल किसान का सागर जिला अस्पताल में इलाज जारी है. पीड़ित परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

एक डॉक्टर के भरोसे हैं तीन अस्पताल

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 9 जुलाई. जिले के महाराजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं.हालात ऐसे हैं कि महाराजपुर के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़ीमलहरा और कुर्राहा की जिम्मेदारी भी केवल एक डॉक्टर पर है.डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा और कई लोग निजी अस्पतालों का सहारा लेने को मजबूर हैं.

मरीजों को सिरिंज, टेप, पट्टी बाहर से खरीदनी पड़ रही

डॉक्टरों की पदस्थापना और सुविधाएं बढ़ाने की मांग

जानकारी के अनुसार, जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित इन अस्पतालों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, लेकिन ओपीडी में डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने से उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है. कई मरीज बिना उपचार कराए लौट जाते हैं.मेडिकल ऑफिसर डॉ. आलोक चौरसिया ने बताया कि दो अन्य डॉक्टर पदस्थ हैं, लेकिन एक नौगांव में अटैच है और दूसरा लंबे समय से बिना सूचना के अनुपस्थित है.

> मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में केवल डॉक्टरों की ही नहीं, बल्कि आवश्यक चिकित्सा सामग्री की भी भारी कमी है.उनका कहना है कि ग्लूकोज चढ़ाने के लिए पाइप, सिरिंज, टेप, टांके लगाने का धागा और पट्टी जैसी जरूरी सामग्री भी बाहर से खरीदनी पड़ती है, जिससे गरीब मरीजों की परेशानी और बढ़ जाती है.क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग से महाराजपुर, गढ़ीमलहरा और कुर्राहा अस्पतालों में पर्याप्त डॉक्टरों की नियुक्ति तथा दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है.उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो जनआंदोलन किया जाएगा.

नि :शुल्क बीज वितरण में कालाबाजारी का आरोप

नौगांव में किसानों ने किया प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 9 जुलाई. सरकार की खरीफ सीजन के लिए किसानों को नि:शुल्क बीज उपलब्ध कराने की योजना नौगांव विकासखंड में विवादों में घिर गई है.कृषि विभाग पर बीज वितरण में अनियमितता और कथित कालाबाजारी के आरोप लगाते हुए किसानों ने देर रात तक प्रदर्शन किया और नौगांव थाने पहुंचकर मामले की जांच की मांग की.

थाने पहुंचकर जांच की मांग

पूर्व विधायक ने भी उठाए सवाल

किसानों का आरोप है कि पंजीयन कराने के बावजूद उन्हें कई दिनों से मूंगफली, मूंग, उड़द और अरहर का बीज नहीं दिया गया.उनका दावा है कि रात के समय पिकअप वाहनों से बीज बाहर भेजकर 2 से 3 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक में बेचे जाने की चर्चाएं हैं.हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

बुधवार को बड़ी संख्या में किसान पूरे दिन वितरण केंद्रों पर बीज मिलने का इंतजार करते रहे.देर रात तक वितरण नहीं होने पर किसान थाने पहुंचे.उनका कहना है कि कई किसान पूरी रात वेयरहाउस के बाहर खुले में बैठे रहे और इस दौरान सांप निकलने जैसी घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया.

मामले की जानकारी मिलने पर महाराजपुर की पूर्व विधायक नीरज दीक्षित ने कृषि विभाग कार्यालय पहुंचकर किसानों से चर्चा की और अधिकारियों से जवाब मांगा.उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की.वहीं, किसानों ने मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से भी हस्तक्षेप की अपील की है.इस मामले में कृषि विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आना अभी बाकी है.

लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

गौरिहार जनपद में आयोजित खंड स्तरीय समीक्षा बैठक में कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए. राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान फार्मर आईडी, खसरा लिंकिंग, सीमांकन और नक्शा तरमीम में खराब प्रगति मिलने पर कई पटवारियों के इंक्रीमेंट रोकने, वेतन काटने और निलंबन के निर्देश दिए गए.पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर कितपुरा सचिव को निलंबित करने, जीआरएस और उपयंत्री के वेतन में कटौती करने के निर्देश दिए गए.साथ ही लंबित संबल और अनुग्रह सहायता प्रकरणों का शीघ्र निराकरण, पंचायतों में निर्माण कार्यों में तेजी लाने और सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा गया. उन्होंने समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया.

एक नजर में

नीलगाय से टकराई बाइक, युवक घायल

छतरपुर. छतरपुर से कांटी गांव लौट रहे एक युवक की बाइक के सामने अचानक नीलगाय आ जाने से सड़क हादसा हो गया.टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया.घायल की पहचान सरमन अहिरवार के रूप में हुई है.हादसे के समय वह बाइक पर अकेले सवार थे.दुर्घटना के बाद परिजन उन्हें बीती रात करीब 8 बजे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार जारी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार युवक के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं.चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है.

सटई रोड पर करंट से भैंस की मौत

छतरपुर. सटई रोड स्थित सागर-कानपुर हाईवे बायपास पर किसान वेयरहाउस के सामने लगे ट्रांसफार्मर के खुले तार और जलभराव के कारण करंट फैलने से दो दिनों में एक गाय और एक भैंस की मौत हो गई.गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने घटना का वीडियो सामने लाते हुए बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए.ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर के खुले तारों और करंट फैलने की शिकायत पहले भी कई बार की गई थी, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की.उनका कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई और तत्काल मरम्मत की मांग की है.

ट्रक की टक्कर से आयशर चालक गंभीर घायल

छतरपुर. छतरपुर-नौगांव मार्ग पर कैंडी गांव के पास गुरुवार तड़के सड़क हादसे में आयशर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया.जानकारी के अनुसार, डबरा निवासी हाकिम अपनी आयशर गाड़ी लेकर जा रहे थे.सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी.हादसे में चालक हाकिम गंभीर रूप से घायल हो गए.स्थानीय लोगों की सूचना पर उन्हें तत्काल जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है.घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

जटाशंकर धाम का प्राकृतिक सौंदर्य निखरा

■ गोमुख की जलधारा तेज ■ मंदिर परिसर तक पहुंचा झरनों का पानी

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 9 जुलाई. जिले में लगातार हुई बारिश के बाद बुंदेलखंड के प्रसिद्ध शिवधाम जटाशंकर का नजारा पूरी तरह बदल गया है.पहाड़ियों से उतरते झरने, हरियाली से आच्छादित घाटियां और गोमुख से तेज गति से बहती प्राकृतिक जलधारा ने मंदिर परिसर की सुंदरता को और आकर्षक बना दिया है.बारिश के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं.

छतरपुर से करीब 55 किलोमीटर और बिजावर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह प्राचीन शिवधाम घने जंगलों और ऊंची पहाड़ियों के बीच बसा है.तेज बारिश के चलते झरनों का पानी मंदिर परिसर, गुफा और चौक

तक पहुंच गया.जलधारा का बहाव बढ़ने से कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हुई, लेकिन आस्था के आगे यह बाधा भी छोटी साबित हुई. जटाशंकर धाम नवविवाहित जोड़ों के पूजन, मुंडन संस्कार और धार्मिक अनुष्ठानों का प्रमुख केंद्र भी है.यहां भगवान भोलेनाथ को कलाकंद का प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है.सावन माह की शुरुआत के साथ यहां श्रद्धालुओं की संख्या में और बढ़ोतरी की संभावना है.

> धार्मिक मान्यता के अनुसार जटाशंकर धाम के गोमुख से पूरे वर्ष प्राकृतिक जलधारा बहती रहती है, जिससे भगवान शिव का निरंतर जलाभिषेक होता है.यहां स्थित तीनों पवित्र कुंड भी वर्षभर जल से भरे रहते हैं.स्थानीय लोगों के बीच यह धाम उस ऐतिहासिक प्रसंग के लिए भी प्रसिद्ध है, जब पूर्व दस्यु मूरत सिंह ने यहीं अपने हथियार समर्पित कर भगवान शिव की भक्ति का मार्ग अपनाया था.

सूने घर में चोरों की सेंध

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 9 जुलाई. शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सौरा रोड पर मित्तल कॉलेज के पास एक सूने मकान में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया.अज्ञात बदमाश घर के ताले तोड़कर अंदर घुसे और लाखों रुपये की नकदी, जेवर तथा अन्य सामान लेकर फरार हो गए.

जानकारी के अनुसार, मकान मालिक चंदा अहिरवार अपने पति बबलू के साथ दौनी गांव गई थीं, जबकि किरायेदार तारिक रायन मुंबई गया हुआ था.इसी दौरान चोरों ने घर में रखे करीब दो लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवर, एक मोटरसाइकिल और अन्य घरेलू सामान पर हाथ साफ कर दिया.पीड़ितों के अनुसार चोर गेहूं और दाल तक अपने साथ ले गए.

घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की.

नकदी, जेवर, बाइक सहित घरेलू सामान भी ले गए चोर

पुलिस ने बाइक बरामद की, आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ अन्य साक्ष्य भी जुटाए हैं. सूत्रों के अनुसार, चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है.

रिश्वत का वीडियो वायरल, आरआई निलंबित

निलंबन अवधि में कलेक्टर कार्यालय रहेगा मुख्यालय

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 9 जुलाई. जिले में सोशल मीडिया पर रिश्वत लेने का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है.बक्सवाहा तहसील के बाजना मंडल में पदस्थ राजस्व निरीक्षक (आरआई) कुंजीलाल प्रधान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. कार्रवाई कलेक्टर (भू-संसाधन प्रबंधन) द्वारा जारी आदेश के तहत की गई.

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में राजस्व निरीक्षक किसानों को भूमि का कब्जा दिलाने के एवज में पैसे लेते और लेन-देन की बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं.मामले की जानकारी मिलने पर बक्सवाहा तहसीलदार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया.प्रारंभिक जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए.

जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित अधिकारी का आचरण शासकीय सेवा के नियमों के विपरीत, गंभीर कदाचार और लापरवाही की श्रेणी में आता है.इसे मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया है.इसके आधार पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई.आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में कुंजीलाल प्रधान का मुख्यालय कलेक्टर (भू-संसाधन प्रबंधन) कार्यालय, छतरपुर निर्धारित किया गया है.इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा.प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप का माहौल है.

स्वास्थ्य केंद्रों में हुई महिलाओं की जांच

सीहोर. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिए 9 एवं 25 तारीख को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर देखभाल एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निशुल्क लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके. अभियान के तहत गुरुवार को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 927 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 387 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पाई गई.

निर्माण के 4 माह बाद ही उखड़ गई सड़क

ग्रामीणों ने लगाया घटिया काम करने आरोप

नवभारत न्यूज

चंदला , 9 जुलाई. लवकुश नगर जनपद पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

ग्रामीणों का आरोप है कि कथित कमीशनखोरी, प्रभावी निगरानी के अभाव तथा उपयंत्रियों द्वारा बिना स्थल निरीक्षण किए कागजों में मूल्यांकन करने की वजह से लाखों रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़कें कुछ ही महीनों में दम तोड़ रही हैं.

ताजा मामला ग्राम पंचायत बलकौरा अंतर्गत अहिरनपुरवा मार्ग से चरहीपुरवा तक निर्मित सीसी सड़क का है, जो निर्माण के महज चार माह बाद ही जगह-जगह से उखड़ गई है.

ग्रामीणों के अनुसार मेन रोड स्थित कुएं से कालीचरण पाल के मकान तक सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था.लेकिन निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया. सड़क की ऊपरी परत कई स्थानों से पूरी तरह उखड़ चुकी है. ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच-सचिव और निर्माण एजेंसी की कथित मनमानी के कारण निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं कराया गया.

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सीसी सड़क के बेस में निर्धारित 1:3:6 अनुपात तथा ऊपरी सतह पर 1:2:4 मसाले के उपयोग जैसे तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई. ग्रामीणों का आरोप है कि कई निर्माण कार्यों का निरीक्षण केवल कागजों में दिखाकर भुगतान कर दिया जाता है.

> **इनका कहना है**
>
> आपके द्वारा जानकारी दी गई. मैं स्वयं ही जा कर सीसी रोडों का निरीक्षण करूंगा. कार्रवाई की जाएगी.
>
> **- ओपी दुबे**
> **सहायक यंत्री, जनपद पंचायत, लवकुशनगर**

लापरवाही | **सिमरिया स्थित माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका के अनुपस्थित रहने का मामला**

एक साल से गैरहाजिर है शिक्षिका, बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

नवभारत न्यूज

चंदला/लवकुशनगर, 9 जुलाई. लवकुशनगर विकासखंड के बांसिया संकुल अंतर्गत ग्राम पंचायत सिमरिया स्थित माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका पारुल जैन के लंबे समय से अनुपस्थित रहने का मामला सामने आया है.

शिक्षिका 20 जून 2025 से विद्यालय नहीं आई हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है. प्रभारी प्रधानाध्यापक मंगल सिंह ने बताया कि शिक्षिका की अनुपस्थिति की जानकारी कई बार बीआरसी, संकुल कार्यालय तथा जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित रूप से दी जा चुकी है. उनका कहना है कि लगातार पत्राचार के बावजूद न तो वैकल्पिक शिक्षक की नियुक्ति की गई और न ही संबंधित शिक्षिका के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई दिखाई दी.

प्रभारी के अनुसार प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर को मिलाकर विद्यालय में केवल चार शिक्षक कार्यरत हैं, जिन पर सभी कक्षाओं की पढ़ाई का भार है. इससे नियमित शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है.

> **इनका कहना है**
>
> अभी मैं छुट्टी पर हूं.आपके द्वारा जानकारी दी गई है. टीम को भेज कर कल ही जांच करवाते हैं. कार्यवाही की जाएगी.
>
> **अनुराग खरे,बीआरसी**

मिड-डे मील व्यवस्था पर भी सवाल- विद्यालय से जुड़ी दूसरी गंभीर शिकायत सिद्धनाथ स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित मध्यान्ह भोजन व्यवस्था को लेकर सामने आई है. आरोप है कि बच्चों को शासन द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप भोजन नहीं दिया जा रहा, जिससे योजना की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं. अभिभावकों ने शिक्षक की तत्काल पदस्थापना तथा मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है.

पहली बारिश में डूबा सरकारी स्कूल

छतरपुर. जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच गंज गांव का एक सरकारी स्कूल जलभराव की चपेट में आ गया. शुरुआती बारिश में ही स्कूल परिसर और कक्षाओं के आसपास घुटनों तक पानी भर जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई और बच्चों की छुट्टी करनी पड़ी. लगातार बारिश के कारण जिले में नदी-नाले उफान पर हैं और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है.इसी बीच गंज गांव के सरकारी स्कूल में पानी भरने से स्कूल की व्यवस्थाओं और भवन की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं.स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश शुरू होते ही स्कूल परिसर में हर साल पानी भर जाता है, जिससे बच्चों को परेशानी होती है.उनका आरोप है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है.